वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 357 | बुधवार 26 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

★पाक्षिक ★साप्ताहिक★दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विप्र संगठन का शक्ति प्रदर्शन 10 सितंबर को जयपुर में

देश के कोने कोने से जुटेंगे समाज के लोग राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू भी हो सकती हैं शामिल

शक्ति सम्मेलन के मुख्य संयोजक का दायित्व वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा को सौंपा गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

परशुराम जयंती सप्ताह के समापन और शंकराचार्य जयंती अवसर पर मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में विप्र फाउंडेशन की ओर से संकल्प सभा एवं महाआरती का आयोजन किया गया। समारोह में विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सहित प्रदेश भर के पदाधिकारी शिरकत करने जयपुर पहुंचे। हजारों की संख्या में विप्र भगवान परशुराम की महाआरती एवं शंकराचार्य जयंती के कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विप्र फाउंडेशन के जयपुर में नवनिर्मित छह मंजिला भवन परशुराम शक्ति पीठ के लोकार्पण पर 10 सितंबर को होने वाले शक्ति सम्मेलन की भी घोषणा की गयी। इस अवसर पर देशभर से लाखों विप्रजन जुटेंगे। शक्ति सम्मेलन में ब्राह्मणों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर खुला विचार विमर्श होगा। विप्र फाउंडेशन भी समाज उत्थान के कई नए कार्यक्रमों की घोषणा करेगा। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा गुरूजी ने विप्र फाउंडेशन की ओर से शक्ति सम्मेलन के मुख्य संयोजक का दायित्व वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा को सौंपने की घोषणा करते हुए बताया कि परशुराम शक्ति पीठ के लोकार्पण के लिए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को आमंत्रित करने की सोच है ताकि सामाजिक समरसता का एक संदेश देशभर में जा सके। संस्था के संस्थापक सुशील ओझा ने विप्र फाउंडेशन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन की सोच समाज उत्थान की है उसी दिशा में समाज को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर 28 मई को थानागाजी में आठंवे महाकुंभ के पोस्टर का लोकार्पण कर घोषणा की गई। नवम महाकुंभ कोटा में होगा उसकी तिथि भी शीघ्र घोषित की जाएगी। संकल्प सभा व महाआरती में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, भाजपा प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा, संरक्षक एवं विधायक धर्म नारायण जोशी, पूर्व विधायक शंकर शर्मा, विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा, उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, पूर्व महापौर विष्णु लाटा, पूर्व उप महापौर मनीष पारीक, डॉक्टर जी एल शर्मा, भाजपा नेत्री पूजा कपिल मिश्रा, भाजपा के शैलेंद्र भार्गव, खांडल महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अनिल नवल आदि शामिल थे। इसी प्रकार विप्र फाउंडेशन संगठन से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा,राजस्थान जोन 1 के राजेश कर्नल एडवोकेट, जयपुर, के के शर्मा, उदयपुर अध्यक्ष जोन 1ए, भंवर पुरोहित, बीकानेर अध्यक्ष जोन 1बी, संरक्षक, पशुपति नाथ शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव सीए सुनील शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , दीपक पारीक, बीकानेर, भुवनेश्वर चतुर्वेदी, कोटा, के के शर्मा, जयपुर,राष्ट्रीय सचिव विनोद अमन, परमेश्वर शर्मा, नवीन जोशी, प्रमोद पालीवाल व विष्णु पारीक, क्षेत्रीय संगठन प्रभारी उमेश तिवाड़ी, सियाराम शर्मा,उपाध्यक्ष जोन 1डी, आरोग्य साथी के राष्ट्रीय प्रभारी डॉ.गोविंद शर्मा एवं अध्यक्ष डॉ.राजेश शर्मा,विक्की के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव कश्यप, खोले के हनुमान जी मंदिर के ब्रजमोहन शर्मा आदि मौजूद थे।

पीटीआई परीक्षा के रिजल्ट को लेकर बेरोजगारों का प्रदर्शन

उपेन बोले- जल्द रिजल्ट जारी करें बोर्ड, नहीं तो करेंगे उग्र प्रदर्शन

जयपुर. कासं। राजस्थान में पीटीआई भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी नहीं होने के बाद अब बेरोजगारों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले बड़ी संख्या में युवाओं ने कर्मचारी चयन आयोग मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर जल्द रिजल्ट जारी करने की मांग की। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के पधाधिकारियों ने कहा की पीटीआई भर्ती परीक्षा के रिजल्ट को लेकर इससे पहले फरवरी और फिर मार्च में भी प्रोटेस्ट किया गया था। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में आज प्रदेशभर से युवाओं ने एक बार फिर गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन किया है। ऐसे में अगर जल्द से जल्द रिजल्ट जारी नहीं किया

गया। तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। उपेन यादव ने कहा कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 25 सितंबर 2022 को 5546 पदों पर पीटीआई भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसका दोगुना का परिणाम 21 अक्टूबर 2022 को निकाला गया। 6 महीने 4 दिन बीत जाने के बावजूद भी अभी तक फाइनल परिणाम जारी नहीं किया गया। जिसको लेकर युवा बेरोजगारों में बड़ा आक्रोश है। उपेन यादव ने कहा कि भर्ती निकलवाने से लेकर अभ्यर्थना भिजवाने, फिर एग्जाम कराने और परिणाम के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।अगर ये भर्ती भी उलझ गई। तो युवाओं के साथ बड़ा धोखा होगा। क्यों कि इससे पहले की पशु चिकित्सक भर्ती 2019 आज तक लंबित है। ऐसे में भर्ती परीक्षाओं का जल्द से जल्द परिणाम जारी किया जाए। वहीं पीटीआई परीक्षा के परिणाम को लेकर कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि परिणाम जारी करने की एक प्रक्रिया होती है। उस प्रक्रिया को पूरी किए बिना कोई भी रिजल्ट जारी नहीं किया जा सकता है और होना भी नहीं चाहिए। हम नियमों के आधार पर अच्छे से जाँच परखकर ही रिजल्ट जारी करेंगे।

Since : 2013

शाबाश इंडिया

पाक्षिक, साप्ताहिक समाचार पत्र एवं दैनिक ई-पेपर

सफलतम 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

दशक-ए-शाबाश

पल पल दिल के पास

एक संगीतमय प्रस्तुति

BOLLYWOOD NIGHT

BOLLYWOOD NIGHT!

बुधवार, 26 अप्रेल 2023
समय : सायं 7:30 बजे से

स्थान : वर्धमान ऑडिटोरियम
श्री महावीर स्कुल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

संगीतमय शाम के साथी

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्रीमती दीपशिखा जैन
गायिका
(सोनी टीवी गुरूकुल फेम)

श्री परिणव जैन
गायक

श्रीमती रतिका जैन
प्रसिद्ध एंकर
(अंताक्षरी फेम)

शाबाश इंडिया

स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् राजीव जी - सीमा जी गाजियाबाद
प्रमुख समाज सेवी

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
माननीय न्यायाधिपति श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम हाईकोर्ट

मुख्य अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमती गुणमाला देवी गंगवाल
धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल जी गंगवाल (साड़ी घर वाले)

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् महेन्द्र जी पाटनी
मंत्री-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक :

राकेश – समता गोदिका

राजेश - अंजना गोदिका ✲ दिनेश - मीतू गोदिका ✲ सक्षम - आरूषी गोदिका
राज - एस.के. जैन ✲ रचिता - सिद्धार्थ खूटेटा ✲ अद्धिता खूटेटा
एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

शाबाश इंडिया

राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक
मोबाइल: 9414078380, 9214078380
shabaasindia.com
rakeshgodika@gmail.com
shabaasindia@gmail.com
रजि. कार्यालय : बी-180, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
सिटी कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, टोंक रोड़, जयपुर

भारतीय महिलाओं का राजनीति में नेतृत्व कम क्यों? खत्म करें लैंगिक असमानता

हाल के समय में भारतीय चुनावों में एक आश्चर्यजनक व्यतिरेक दिखाई पड़ा है। देश में महिला मतदाताओं द्वारा मतदान में वृद्धि हुई है जहाँ वर्ष 2022 में संपन्न हुए चुनावों में आठ में से सात राज्यों में महिला मतदान में उछाल देखा गया। यह स्थिति आशाजनक प्रतीत होती है, लेकिन स्थानीय चुनावों, राज्य चुनावों और लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं का यह बढ़ता अनुपात स्वयं महिलाओं द्वारा वृहत रूप से चुनाव लड़ने के रूप में परिलक्षित नहीं हुआ है।

शाबाश इंडिया

अपेक्षा की जाती है कि भारत वर्ष 2030 तक संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था अमेरिका की 1.6% की तुलना में 6.8% की दर से विकास करेगी। लेकिन भारत के इस आशाजनक आर्थिक विकास के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था, राजनीति और समाज में महिलाओं की भागीदारी अभी भी अनुरूप गति नहीं पा सकी है। हाल के समय में भारतीय चुनावों में एक आश्चर्यजनक व्यतिरेक दिखाई पड़ा है। देश में महिला मतदाताओं द्वारा मतदान में वृद्धि हुई है जहाँ वर्ष 2022 में संपन्न हुए चुनावों में आठ में से सात राज्यों में महिला मतदान में उछाल देखा गया। यह स्थिति आशाजनक प्रतीत होती है, लेकिन स्थानीय चुनावों, राज्य चुनावों और लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं का यह बढ़ता अनुपात स्वयं महिलाओं द्वारा वृहत रूप से चुनाव लड़ने के रूप में परिलक्षित नहीं हुआ है। इस परिदृश्य में, राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की राह में मौजूद बाधाओं को दूर करना समय की मांग है। लैंगिक समता प्राप्त करने के लिये और यह सुनिश्चित करने के लिये कि महिलाओं को राजनीति में भाग लेने का समान अवसर मिले, नीति निमार्ताओं, नागरिक समाज संगठनों और आम जनता को मिलकर कार्य करना होगा।

केंद्र और राज्य स्तर पर विभिन्न लोक सेवा नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी इतनी कम है कि महिला उम्मीदवारों के लिये निःशुल्क आवेदन की सुविधा प्रदान की गई है।

इसके बावजूद, भारतीय प्रशासनिक सेवा के आँकड़ों और वर्ष 2011 की केंद्र सरकार की रोजगार जनगणना के अनुसार, इसके कुल कर्मियों में 11% से भी कम महिलाएँ थीं, जिनकी संख्या वर्ष 2020 में 13% तक दर्ज की गई। इसके अलावा, वर्ष 2022 में कैबिनेट स्तर पर केवल 14% महिलाएँ कार्यरत थीं। सभी भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की साथ गणना करें तो भी केवल तीन महिलाएँ मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। भारत में कभी कोई महिला कैबिनेट सचिव नहीं बनी। गृह, वित्त, रक्षा और कार्मिक मंत्रालय में भी कभी कोई महिला सचिव नहीं रही हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के स्वामियों में केवल 20.37% महिलाएँ हैं, मात्र 10% स्टार्ट-अप महिलाओं द्वारा स्थापित किये गए हैं और श्रम बल में महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 23.3% है। भारत एक गहन पितृसत्तात्मक समाज है और महिलाओं को प्रायः पुरुषों से हीन माना जाता है। यह मानसिकता समाज में गहराई तक समाई हुई है और महिलाओं की राजनीति

में नेतृत्व एवं भागीदारी की क्षमता के संबंध में लोगों की सोच को प्रभावित करती है। भारत में महिलाओं से प्रायः पारंपरिक लिंग भूमिकाओं के अनुरूप व्यवहार की उम्मीद की जाती है और उन्हें राजनीति में करियर बनाने से हतोत्साहित किया जाता है। सामाजिक मानदंड और रूढ़िवादिता यह निर्धारित करती है कि महिलाओं को पत्नियों एवं माताओं के रूप में अपनी भूमिकाओं को प्राथमिकता देनी चाहिये, जबकि राजनीति को प्रायः पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है।

भारत में महिलाओं की ऐतिहासिक रूप से शिक्षा तक सीमित पहुँच रही है, जिसने राजनीति में भागीदारी की उनकी क्षमता को बाधित किया है। यद्यपि हाल के वर्षों में परिदृश्य में कुछ सुधार आया है, फिर भी बहुत-सी महिलाओं में अभी भी राजनीतिक पद पर कार्य कर सकने हेतु आवश्यक शिक्षा एवं कौशल की कमी है। महिलाओं को राजनीतिक दलों में प्रायः कम प्रतिनिधित्व दिया जाता है, जिससे उनके लिये अपने दलों में विभिन्न पदों से गुजरते हुए आगे बढ़ना और चुनाव के लिये दल का नामांकन प्राप्त करना कठिन हो जाता है। प्रतिनिधित्व की इस कमी को राजनीतिक दलों के भीतर मौजूद लैंगिक पूर्वाग्रह और इस धारणा का परिणाम माना जा सकता कि महिलाएँ पुरुषों की तरह चुनाव जीतने योग्य नहीं होतीं।

राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय महिलाओं को प्रायः हिंसा और उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है, जो फिर महिलाओं को राजनीति में प्रवेश या विभिन्न मुद्दों पर मुखर होने से हतोत्साहित कर सकता है। राजनीति में सुरक्षित एवं समावेशी अवसर की कमी महिलाओं की भागीदारी के मार्ग में एक प्रमुख बाधा है।

राजनीति में महिलाओं को प्रायः कम वेतन, संसाधनों तक कम पहुँच और सीमित नेटवर्किंग जैसे असमान अवसरों की स्थिति का सामना करना पड़ता है। यह असमानता महिलाओं के लिये पुरुष उम्मीदवारों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करना और राजनीति में सफल होना चुनौतीपूर्ण बना सकती है। महिला सशक्तिकरण के लिये संरचनात्मक बाधाएँ आम तौर पर वे प्राथमिक समस्याएँ हैं

राजनीति में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये जागरूकता का प्रसार करने, सुरक्षित वातावरण का निर्माण करने जैसे विभिन्न कदम उठाये जाने चाहिये...

जो उनके लिये सेवाओं का अंग बनना कठिन बनाती हैं। दूरस्थ संवर्गों में पदस्थापन, पितृसत्तात्मक कंडीशनिंग और नौकरी विशेष की आवश्यकताओं एवं मांगों के साथ पारिवारिक प्रतिबद्धताओं के संतुलन जैसी सेवा शर्तें ऐसे कुछ सामाजिक कारक हैं जो महिलाओं को सिविल सेवाओं से बाहर रखने में योगदान करते हैं। इसके अलावा, एक आम धारणा यह है कि महिलाओं को समाज कल्याण, संस्कृति, महिला एवं बाल विकास सॉफ्ट मंत्रालयों के लिये प्राथमिकता दी जानी चाहिये। राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक यह है कि विधायी निकायों में महिलाओं के लिये सीटें आरक्षित की जाएँ। बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में इसे लागू किया गया है, जहाँ स्थानीय निकायों में कुल सीटों के कुछ प्रतिशत महिलाओं के लिये आरक्षित हैं। राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि चुनावों के लिये उम्मीदवारों के चयन में वे महिलाओं को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्रदान करें। उन्हें महिला उम्मीदवारों के चयन का प्रयास करना चाहिये और आसानी से जीतने योग्य सीटों पर उन्हें प्राथमिकता देनी चाहिये। राजनीति में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उनके प्रभावी प्रतिनिधित्व के लिये एक प्रमुख बाधा है। इस समस्या के समाधान के लिये और राजनीति में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये जागरूकता का प्रसार करने, सुरक्षित वातावरण का निर्माण करने जैसे विभिन्न कदम उठाये जाने चाहिये। राजनीति में सक्रिय महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिये अधिक दृश्यता और मान्यता प्रदान की जानी चाहिये। यह अन्य महिलाओं को राजनीति से संलग्न होने के लिये प्रेरित करने और राजनीति के क्षेत्र में वृहत लैंगिक समानता की संस्कृति का निर्माण करने में मदद कर सकता है।

पूजा गुप्ता: मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

वेद ज्ञान

कर्म ही देते हैं हमें गति

हमारे कर्म ही हमें गति देते हैं। यदि हम अच्छे कर्म करते हैं तो सद्गति को प्राप्त होते हैं, गलत कर्म से दुर्गति मिलती है। कर्म छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि कर्म ही मनुष्य को छोटा-बड़ा बनाते हैं। हम जैसे कर्म करते हैं, उसका वैसा ही फल हमें मिलता है। हमारे द्वारा किए गए कर्म ही हमारे पाप और पुण्य तय करते हैं। हमारे जीवन में कुछ अच्छा या बुरा होता है तो उनका सीधा संबंध हमारे कर्मों से होता है। कहा गया है कि जो जैसा बोता है वह वैसा ही काटता है। अगर हमने बबूल का पेड़ बोया है तो हम आम नहीं खा सकते। हमें सिर्फ कांटे ही मिलेंगे। एक डाकू या लुटेरा भी यही सोचता है कि वह अच्छे कर्म कर रहा है। लूटपाट करके ही सही, अपने परिवार का पेट तो भर रहा है, लेकिन जब साधुओं ने एक डाकू से पूछा कि क्या इस पाप में तेरा परिवार भी भागी बनेगा तो वह असमंजस में पड़ गया और भागा-भागा अपने परिवार के पास गया। उसने परिवार के सदस्यों से यही प्रश्न किया तो सभी ने एक स्वर में कह दिया कि तुम्हारे पापों में हम भागीदार नहीं हैं। तब जाकर उसकी आंखें खुलीं। हमारे कर्मों में इतनी ताकत होती है कि डाकू तक अपने कर्म सुधारें तो वे महर्षि बन सकते हैं। दुनिया हमें हमारे काम से ही पहचानती है। तभी कहा गया है कि अपने कर्मों की गति सुधारो। कर्म सुधर गए तो जीवन सुधर गया। अच्छे कर्मों से मनुष्य जीते-जी तो याद किए ही जाते हैं, मृत्यु के बाद भी उनका नाम अमर हो जाता है। हमारे कर्म में हमेशा कोई न कोई उद्देश्य छिपा होना चाहिए। उद्देश्य के बगैर कर्म बहुत असरकारक नहीं होता। एक बुजुर्ग व्यक्ति ने यात्रा पर जाने से पहले अपनी बहुओं को कुछ बीज दिए और कहा कि इन्हें संभालकर रखना। जब मैं लौटूंगा तो इन्हें वापस ले लूंगा। पहली बहू ने बीज बक्से में संभालकर रख दिए, लेकिन कुछ समय बाद ही वे सड़ गए। दूसरी बहू ने उन बीजों को बो दिया तो कुछ दिनों बाद वे अंकुरित हो गए और पौधे में तब्दील हो गए। बुजुर्ग जब यात्रा से लौटे और उन्होंने आंगन में नए पौधे देखे तो वे अपनी छोटी बहू से बहुत खुश हुए। हमारे कर्म हमारी सोच पर निर्भर करते हैं। यानी हम जैसा सोचते हैं, वैसे ही कर्म करते हैं और उसी के अनुरूप हमें फल भी मिलता है।

संपादकीय

आसान नहीं है कर्नाटक की राह

कर्नाटक चुनाव को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। हर सीट पर समीकरण के लिहाज से दिलचस्प मुकाबला बनता दिख रहा है। जातियों का बोलबाला तो हर सीट पर जारी है और जीत के दावे अभी से शुरू हो गए हैं। दक्षिण के इस राज्य में अगर बीजेपी के कुछ गढ़ हैं तो कांग्रेस ने भी कुछ सीटों पर अपना दबदबा कायम रखा है। ऐसी ही एक सीट है वरुणा। यहां से पिछले चुनाव में सिद्धारमैया के बेटे ने चुनाव लड़ा था, अब खुद पिता फिर उस सीट से ताल ठोंक रहे हैं। वहीं बीजेपी ने भी बड़ा दांव चलते हुए लिंगायत नेता वी सोमन्ना को इस सीट से उतारा है। वरुणा सीट के जातीय समीकरण ऐसे हैं कि यहां पर कुरुबा और लिंगायत वोट काफी निर्णायक साबित होते हैं। इस क्षेत्र में कुल 2,23,007 वोटर हैं, वहां भी 53 हजार के करीब तो लिंगायत वोटर हैं। यानी कि जिस वोटर के दम कर्नाटक की सियासत तमाम उतार-चढ़ाव देखती है, उसका असर इस सीट

पर भी पूरा देखने को मिलता है। अब अगर लिंगायत के बीच में बीजेपी मजबूत है तो कुरुबा समाज की भी वरुणा में जबरदस्त उपस्थिति है। इस सीट पर 27 हजार के करीब कुरुबा वोटर हैं जो परंपरागत रूप से कांग्रेस की तरफ रुझान रखते हैं। खुद सिद्धारमैया क्योंकि इस समुदाय से आते हैं, ऐसे में पार्टी को इसका भी फायदा मिलता है। बड़ी बात ये है कि सिद्धारमैया खुद को हमेशा पिछड़ी जाति वाला भी कहते रहते हैं, ऐसे में इस सीट पर जो अनुसूचित जाति और जनजाति के 48 हजार वोटर हैं, उनका रुझान भी कांग्रेस की तरफ हो जाता है। वैसे वरुणा सीट पर वोक्कालिगा समाज का भी सीमित प्रभाव है, इनकी संख्या 12000 के करीब रहती है। सरल शब्दों में समझें तो वरुणा में 35 प्रतिशत लिंगायत हैं, 25% ओबीसी और 20 फीसदी वोक्कालिगा। ये सीट कांग्रेस के लिए लंबे समय से मुफीद रही है और उसको पूरा समर्थन भी हासिल हुआ है। परिसीमन के बाद साल 2008 में ये सीट अस्तित्व में आई थी। तब सिद्धारमैया ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी, फिर 2013 के चुनाव में फिर कांग्रेस ने उन्हें वहां से उतारा और एक आसान जीत मिल गई। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में एक बड़ा नाटकीय मोड़ आया। सिद्धारमैया को अपने बेटे को भी चुनाव लड़वाना था, सुरक्षित सीट की तलाश थी, ऐसे में उन्होंने सियासी 'बलिदान' देते हुए वो सीट अपने बेटे के लिए छोड़ दी, यानी कि तब उस सीट से यतींद्र सिद्धारमैया को टिकट दिया गया। उस चुनाव में खुद सिद्धारमैया दो सीट से चुनाव लड़े थे, एक बादामी और दूसरी चामुंडेश्वरी। लेकिन तब पूर्व सीएम को सिर्फ बादामी से जीत मिली, वो भी कम मार्जिन वाली, वहीं वे चामुंडेश्वरी में हार गए। ऐसे में इस बार के चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें उनकी सुरक्षित सीट से उतार कोई रिस्क नहीं लिया है। बीजेपी की बात करें तो उसकी तरफ से वरुणा सीट से एक बड़ा सियासी दांव चला गया है। लिंगायत वोटरों की अहमियत को समझते हुए पार्टी ने यहां से वी सोमन्ना को मौका दिया है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

येदियुरप्पा की कमी

कर्नाटक चुनाव में बीजेपी इस बार बिना बीएस येदियुरप्पा के उतरी है। कुछ महीने पहले ही पूर्व सीएम ने चुनावी संन्यास का ऐलान कर दिया था, यानी कि उन्होंने चुनाव ना लड़ने की बात कही थी। अब इस समय बीजेपी के लिए राज्य में अभी भी प्रचार की कमान जरूर येदियुरप्पा ने संभाल रखी है, लेकिन जब लोगों से जमीन पर बात की गई तो पता चला कि उनका चुनाव ना लड़ना बीजेपी को नुकसान भी पहुंचा सकता है। इस समय बीजेपी की जरूरत से ज्यादा निर्भरता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की योजनाओं पर टिका हुआ है। तुमकुरु जिले के सिद्धगंगा मठ के एक अधिकारी बताते हैं कि चाहे लिंगायत हों, वोक्कालिगा हों या हो अनुसूचित जाति, यहां पर सभी के लिए सिर्फ एक नेता हैं- बीएस येदियुरप्पा। बीजेपी में उनके जैसा कोई नेता नहीं है और पार्टी इस वजह से उन्हें काफी मिस भी कर रही है। इसी कड़ी में दावणगेरे जिले के दुकानदार नंदन कुमार भी कहते हैं कि कर्नाटक में तो येदियुरप्पा और पीएम मोदी से ही बीजेपी बनती है। अगर येदियुरप्पा इस बार भी चुनावी राजनीति में सक्रिय रहते तो बीजेपी के लिए चीजें और आसान हो सकती थीं। लेकिन शायद पार्टी को भी अब आगे बढ़ने की जरूरत है। अब बीजेपी बिना येदियुरप्पा के आगे बढ़ने की कोशिश तो कर रही है, लेकिन एक ट्रेंड पार्टी की मुश्किलें बढ़ा रहा है। पिछले 38 सालों से राज्य में किसी भी पार्टी ने सरकार में रहने के बाद फिर वापसी नहीं की है। ऐसे में इस बार जब बीजेपी भी सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है, उसे पीएम मोदी से किसी बड़े करिश्मे की उम्मीद है। अभी के लिए राज्य में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन जिस तरह से पार्टी ने अचानक से अपना मुख्यमंत्री बदला, बसवराज बोम्मई को सीएम की कुर्सी पर बैठाया गया, लोगों में ज्यादा अच्छा संदेश नहीं गया है। इसी वजह से अब लोकप्रियता से ज्यादा बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चर्चा शुरू हो गई है। दावणगेरे जिले की ही एक महिला बताती हैं कि सिलेंडर के दाम बढ़ते जा रहे हैं। बढ़ते दाम के बीच बीजेपी की सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। कांग्रेस के समय हमे 10 किलो तक महीने का फ्री चावल मिलता था, लेकिन बीजेपी सरकार ने इसे घटाकर पांच किलो कर दिया है। अब ये तो सिर्फ एक बयान है, कई ऐसे ही लोग बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा रहे हैं। ऐसे में पार्टी के लिए ये चुनावी मौसम में एक चुनौती बन रही है। कुछ जिलों में जरूर पार्टी को अपने विधायकों के विकास कार्यों का फायदा मिल सकता है। उदाहरण के लिए विधायक जीबी ज्योति गणेश के काम से स्थानीय लोग खुश नजर आ रहे हैं। लेकिन वे खुद इच्छा जताते हैं कि येदियुरप्पा को आगे से आकर अभी भी लीड करना चाहिए था। इस समय बीजेपी के लिए एक चुनौती ये भी खड़ी हो रही है कि जिन जिलों में पिछले चुनाव में पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया था, इस बार वो डगर मुश्किल लग रही है। उदाहरण के लिए चित्रदुर्ग में बीजेपी ने पिछली बार 6 में से 5 सीटें जीत ली थीं। लेकिन इस बार कांग्रेस यहां कड़ी टक्कर दे रही है। इलाके के फाइनेंस कलेक्टर बताते हैं कि किसी एक पार्टी के प्रति कोई वफादारी नहीं है, जिसने काम किया, उसे वोट दिया जाता है।

महंगाई राहत शिविर में 2409 रजिस्ट्रेशन

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बे के खेल मैदान पर चल रहे महंगाई राहत कैंप ओर प्रशासन गांव के संग अभियान शिविर में कुल 2409रजिस्ट्रेशन स्थाई शिविर में 1106 रजिस्ट्रेशन हुए ।शिविर के सहप्रभारी ओर पंचायतसमिति विकाश अधिकारी ज्ञान सिंह ने बताया कि बजट घोषणा के अंतर्गत महंगाई से राहत दिलाने के उद्देश्य श्रीमहावीरजी पंचायतसमिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत अकबरपुर में आयोजित मंहगाई राहत शिविर ओर प्रशासन गांवो के संग शिविर में लोगों ने खूब उत्साह दिखाया आयोजन। शिविर में दूसरे दिन मंगलवार को महंगाई राहत शिविर के शिविर संयोजक विंडो तहसीलदार महेंद्र कुमार मीणा के नेतृत्व में समय 10:00 बजे से शिविरों में रजिस्ट्रेशन का कार्य शुरू हुआ जो शाम 6 बजे तक जारी चला ।दूसरे दिन मुख्यमंत्री गैस सिलेंडर योजना में 246, मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली घरेलू योजना में 131, मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना कृषि में 13, मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में 210, मुख्यमंत्री रोजगार गारंटी योजना में 19, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना मैदान में 127 , मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 110, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 245 ,मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 245 सहित रजिस्ट्रेशन हुए ।

आचार्य विवेक सागर जी बुधवार को करेंगे मंगल विहार आयोजन स्थल की ओर

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया।

सीकर। स्थानीय देवीपुरा स्थित चन्द्रप्रभु भवन में विराजमान प्रखर वक्ता चयार्चूड़ामणि, राष्ट्रसंत, सप्तम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 विवेक सागर जी महाराज , ससंघ का मंगल विहार बुधवार प्रातः नवलगढ़ रोड़ स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए होगा , जहां पूज्य गुरुदेव 29 अप्रैल से होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में अपना सानिध्य प्रदान करेंगे ।महोत्सव महामंत्री सुनील पहाड़िया व मन्दिर कमेटी के मंत्री पंकज पाटनी ने बताया महोत्सव से जुड़े समस्त आयोजन श्री आदिनाथ जैन मंदिर के आगे चरणसिंह नगर स्थित चंद्रलोक मैरिज गार्डन में होंगे।प्रचार मंत्री विवेक पाटोदी ने बताया कि सोमवार प्रातः आचार्य श्री ससंघ ने शहर के सभी जैन मंदिरो के दर्शन किये ।सर्वप्रथम श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर देवीपुरा से जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां जैन मंदिर में गुरुदेव के आगमन पर मन्दिर जी में भव्य स्वागत समाज की महिलाओं द्वारा किया गया ।जहां आचार्य श्री विवेक सागर जी के सानिध्य में जिनेन्द्र प्रभु के अभिषेक व शांतिधारा हुई ।आचार्य श्री द्वारा वृहद शांतिधारा करवाई गई ।शांतिधारा का सौभाग्य मनोज कुमार वंश सेठी को मिला। इसके बाद आचार्य श्री ने बावड़ी गेट स्थित बीस पंथ आम्नाय बड़ा मंदिर, बजाज रोड़ स्थित तेरह पंथ आम्नाय नया मंदिर, कोतवाली रोड स्थित संघी मंदिर, तबेला रोड़ स्थित आदिनाथ चैत्यालय के गुरुदेव ने दर्शन किये। इस दौरान बाजार में जगह जगह जैन भक्तो द्वारा गुरुदेव का पाद प्रक्षालन किया गया।

भामाशाह श्रेष्ठि श्रीमान अशोक जी पाटनी ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के दर्शन किए

उदयपुर. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध मार्बल नगरी किशनगढ़ के भामाशाह अशोक पाटनी आर के मार्बल किशनगढ़ ने लेक सिटी उदयपुर में विराजित वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के दर्शन करने हेतु विशेष रुप से पधारे। आचार्य श्री के दर्शन के पूर्व श्री महावीर दिगंबर जैन जिनालय सर्व ऋतु विलास के दर्शन किए मंदिर प्रमुख श्री शांतिलाल जी भोजन ने आपको मंदिर का परिचय दिया तथा प्रस्तावित पंचकल्याणक जो कि 1 मई से 5 मई के मध्य उदयपुर में होगा उस प्रतिष्ठा में प्रतिष्ठित की जाने वाली प्रतिमा तथा रजत मान स्तंभ का आपको दर्शन कराया श्रीमान अशोक जी पाटनी ने मंदिर के दर्शन कर काफी प्रसन्नता व्यक्त की दर्शन के दौरान मंदिर प्रबंध कार्यकारिणी के अनेक पदाधिकारी तथा पंचकल्याणक आयोजन समिति के अनेक पदाधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे ।पंचकल्याणक प्रतिष्ठा कमेटी की ओर से शांतिलाल भोजन ने अशोक पाटनी को पंचकल्याणक की आमंत्रण पत्रिका भेंट कर पंच कल्याणक हेतु परिवार सहित आमंत्रित किया।

श्री अनिल शर्मा सीए

(अनिल शर्मा क्लासेज वाले)

को जय क्लब के चुनाव में

कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु: समस्त मित्रगण व परिवार जन

बच्चों में संस्कारों का बीजारोपड़ आवश्यक है: आचार्य ज्ञेयसागर

महावीरजी में मनाया गया आचार्य पदारोहन दिवस

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीर जी। धर्म से जुड़ने पर सभी सांसारिक परेशानियों का अंत हो जाता है । धर्म से हमें आत्म शांति तो मिलती ही है संस्कारों के साथ ही हममें विनम्रता भी आती है । धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार दान देना श्रेष्ठतम कार्य माना गया है, किंतु वर्तमान में समय दान देना भी बहुत बड़ा काम हैं। आजकल की युवा पीढ़ी में संस्कारों का अभाव देखने को मिलता है। इसके लिए काफी हदतक मोवाइल फोन भी जिम्मेदार हैं। अपने बच्चों को मोवाइल से दूर रखने का प्रयास करें। संस्कारों के बीजारोपड़ हेतु धार्मिक पाठशालाओं का संचालन अति आवश्यक है । आप सभी अपने बच्चों को उन पाठशालाओं में अवश्य भेजें, ताकि आपके बच्चें धार्मिक एवं संस्कारवान बन सकें । उक्त विचार सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ने अतिशय क्षेत्र महावीर जी में अपने तृतीय आचार्य पदारोहण दिवस पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। जैनाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस एवं मुनिश्री ज्ञातसागर जी महाराज का दीक्षा दिवस समारोह अतिशय क्षेत्र महावीर जी में सृष्टि मंगलम परिवार द्वारा विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। समारोह का कुशल संचालन पंडित मुकेश शास्त्री महावीरजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में मंगलाचरण ब्र.नवीन भैयाजी एवं महावीर भैयाजी, चित्र अनावरण श्रीमती कमलेश राजेन्द्र भण्डारी मुरेना एवं दीप प्रज्ज्वलन राजकुमार जैन गुड्डू आगरा, एस के जैन आगरा, अनिल जैन व्याख्याता, सुरेशचंद बाबूजी, मनोज नायक, अनूप भण्डारी मुरेना ने किया। पूज्य गुरुदेव ज्ञेयसागर जी का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्रभेंट राजेन्द्र कमलेश भण्डारी मुरेना एवं पूज्य मुनिश्री ज्ञातसागर जी के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट सुमतिचन्द श्रीमती राशि जैन गाजियाबाद ने किया । पूज्य गुरुदेव की अष्टद्रव्य से पूजन में ब्रह्मचारी महावीर भैया एवं नवीन भैया ने स्थापना की, साथ ही जल राजेन्द्र भण्डारी मुरेना, चंदन राजीव जैन सहारनपुर, अक्षत संजय रानी जैन मुरेना, पुष्प श्रीमती पुष्पा जैन गाजियावाद, नैवेद्य महेंद्र जैन अलीगढ़, दीप एस के जैन आगरा, धूप महेश जैन परीक्षा मुरेना, फल विशम्भरदयाल अनूप भण्डारी मुरेना, अर्घ अनिल जैन व्याख्याता मुरेना, जयमाला अर्घ श्रीमती मीना रावंका मन्दसौर ने अर्पित किए। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य पवन जैन आशीष जैन (बसेड़ा वाले) मुजफ्फरनगर, राहुल जैन आगरा, मुरेना निबासी अजय जैन गौसपुर, अनिल जैन व्याख्याता, मुकेश जैन पलपुरा, बाबूलाल जैन, विमल जैन बघपुरा, अनूप भण्डारी को प्राप्त हुआ। नरेश भूषण जैन दिल्ली ने अपने भजनों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर राजेन्द्र भण्डारी मुरेना, सतीशचन्द जैन, नरेश भूषण दिल्ली, श्रीमती बीना पवन जैन मुजफ्फरनगर, राजकुमार गुड्डू, सुरेंद्र जैन, मोंटी जैन, राहुल जैन आगरा, श्रीमती मीना रावंका मंदसौर, महेंद्र जैन अलीगढ़, श्रीमती पुष्पा जैन गाजियावाद, राजीव जैन सहारनपुर, सुमतिचन्द जैन गाजियावाद सहित सैकड़ों की संख्या में गुरुभक्त मौजूद थे।

पक्षियों के दाना-पानी के लिए लोगों को कर रहे प्रेरित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

अम्बाह। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए।गर्मी में पशु पक्षियों के लिए भी दाना पानी की व्यवस्था करके सौरभ जैन, याना जैन कर रहे है लोगो को प्रेरित। गर्मियों में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उड़ने वाले परिंदों की प्यास बुझाकर उनकी जिंदगी बचा सकता है। सुबह आंखें खुलने के साथ ही घरों के आस-पास गौरेया, मैना व अन्य पक्षियों की चहक सभी के मन को मोह लेती है। घरों के बाहर फुदकती गौरेया बच्चों सहित बड़ों को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। गर्मियों में घरों के आसपास इनकी चहचहाहट बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोग पक्षियों से प्रेम करें और उनका विशेष ख्याल रखें। जिले में गर्मी बढ़ने लगी है। यहां का तापमान भी निरंतर बड़ रहा है। आने वाले सप्ताह और जेठ में और अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। गर्मी में

मनुष्य के साथ-साथ सभी प्राणियों को पानी की आवश्यकता होती है। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे व पशुओं को तपती गर्मी में यहां-वहां पानी के लिए भटकना पड़ता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं। गर्मी में पक्षियों के लिए भोजन की भी कमी रहती है। इस समय फसल भी कट जाती है, जिससे पक्षियों को भोजन खोजने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। जंगलों में पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं, साथ ही जल स्त्रोत भी सूख जाते हैं। वहीं मवेशियों के लिए भी चारागाह के अलावा खेतों में पानी की समस्या होती है, इस वजह से पानी के साथ भोजन की भी कमी से मवेशियों को जूझना पड़ता है। पशु चिकित्सक डॉ.पी. एल.जैन भोपाल ने अंबाह प्रवास पर बताया कि साल्ट और एनर्जी पक्षियों की किडनी के फंक्शन के लिए जरूरी है। इसकी पूर्ति खनिज-लवण युक्त पानी से हो सकती है। गर्मी में अपने घरों के बाहर, छतों पर पानी के बर्तन रखें और हो सके तो छतों पर पक्षियों के लिए छाया की व्यवस्था भी करें। पक्षियों के शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की मात्रा संतुलित रहे, इसके लिए पानी मे गुड़ की थोड़ी मात्रा मिलानी चाहिए। इससे गर्मी में तापमान से राहत मिलती है और शरीर में पानी की कमी नहीं होती। वहीं मवेशियों के लिए भी कोटना अपने घरों के सामने रखना चाहिए जो वेस्ट वाटर घर से बाहर फेंका जाता है, वह कोटना में डाल दें तो मवेशियों को भी पानी मिल सकता है। घरों के बाहर पानी के बर्तन भरकर टांगें, या बड़ा बर्तन अथवा कोटना पानी भरकर रखें, जिससे मवेशी व परिंदे पानी देखकर आकर्षित होते हैं। छत में भी पानी की व्यवस्था करें, छायादार जगह बनाकर वहां पानी के बर्तन भर कर रखें। पक्षियों के लिए चना, चावल, ज्वार, गेंहूं आदि जो भी घर में उपलब्ध हो उस चारे की व्यवस्था छतों में करें।

भारत विकास परिषद जयपुर महानगर शाखा ने स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत विकास परिषद जयपुर महानगर शाखा ने स्थापना दिवस 24 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रम करके उल्लास पूर्वक मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत सदस्यों द्वारा प्रातः देव दर्शन के तहत झारखंड महादेव, गुरुद्वारा वैशाली नगर एवम स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन के साथ की। सांयकाल आभासीय पटल पर सदस्यों द्वारा राजस्थानी भजन/गीतों का कार्यक्रम रखा, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में शाखा सदस्यों के अलावा क्षेत्रीय, प्रांतीय एवम अन्य शाखाओं के दायित्व धारियों/सदस्यों की उपस्तिथि रही। प्रारंभ में प्रांतीय संगठन सचिव ओम प्रकाश रावत व शाखा सचिव विजय कुमार खूंटेटा ने दीप प्रज्वलन किया। फिर ओम प्रकाश रावत ने सभी का अभिनंदन करते हुए शाखा द्वारा विगत सात साल में किए गए प्रमुख कार्यों का उल्लेख किया। क्षेत्रिय संयुक्त महासचिव डा शिव दयाल मंगल ने शाखा द्वारा किए गए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की एवम बताया कि शाखा हर दृष्टि में प्रांत की सर्वश्रेष्ठ शाखा है। आभार शाखा अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने किया एवम कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती सरोज मंगल ने किया। इसी क्रम में दिनांक 25 अप्रैल को प्रातः मध्यम मार्ग पर शाखा सहसचिव सुभाष मंगल के सौजन्य से करीब 200 गरीबों को मुफ्त भोजन कराया गया। कार्यक्रम संयोजन वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया।

"आज खास"

शाबाश इंडिया के 10 सफल वर्ष पूर्ण कर 11वें वर्ष में प्रवेश करने पर ग्लेज्ड पेपर पर प्रकाशित विशेषांक

वर्ष : 11 (पाक्षिक) अंक : 01 जयपुर, बुधवार 26 अप्रैल 2023 पृष्ठ : 20 मूल्य : 200 रुपए वार्षिक

11 Year ANNIVERSARY

RAJHIN/2013/50192

शाबाश इंडिया

★पाक्षिक ★साप्ताहिक ★दैनिक ई-पेपर

REMAINING STRONG UNDER PRESSURE IS THE BEAUTY OF HONESTY
RK MARBLE
KHOOBSURAT IMAANDAARI
FAIR & FIXED PRICING
Call: +91 9119118118
www.rkmarble.com
Delhi | Kishangarh | Gurugram

शाबाश इंडिया को पाठकों का मिला अपार स्नेह

निष्पक्ष पत्रकारिता के साथ 11वें साल में प्रवेश

राकेश जैन गोदिका

प्रजातन्त्र में मीड़िया को चौथा स्तम्भ माना जाता है। समाचार पत्र की निष्पक्षता, बेबाकी और निडरता ही पाठकों में अपनी विश्वसनीयता की अमिट छाप छोड़ पाती है, इस पैमाने पर विकट परिस्थितियों के बावजूद 'शाबाश इंडिया' अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हुआ। प्रतिस्पर्धा की दौड़ व सोशल मीड़िया के इस दौर में किसी भी समाचार पत्र को अपना अस्तिव बचाये रखना किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन पाठकों के लगातार मिलते प्यार से शाबाश इंडिया ने इन दस वर्षों में नित नयीं उचाईयों को छुआ है और हमारा मनोबल देशभर के पाठकों ने कम नहीं होने दिया। यही कारण है कि पत्रकारिता के सिद्धान्तों पर चलते हुए इस समाचार पत्र ने कभी नीली पीली पत्रकारिता नहीं की। हमने उगते हुए सूरज को नमन कर ईश्वर से यही प्रार्थना भी की कि मुश्किल वक़्त में हमें कमजोर न पड़ने दें। इस समाचर पत्र के विशेष कलेवर, सटीक राजनितिक लेखों, राष्ट्रीय, प्रादेशिक, व्यसायिक, खेल आदि समाचारों, साहित्यिक लेखों, सामाजिक सरोकरों से जुड़े समाचारों को आमजन तक पहुंचाने व सही मायने में यह समाचार पत्र आम आदमी की आवाज बना है। हमारा यह विश्वास है एवं ईश्वर से प्रार्थना है कि हम आगे भी पाठकों के मापदंडों पर खरे उतरें। 11वें वर्ष में प्रवेश करने पर इस परिवार की ओर से सुधिपाठकों, विज्ञापनदातों, बुद्धिजीवियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, नेताओं का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने इस लम्बे सफर में हमारा साथ दिया। उम्मीद है भविष्य में भी यह विश्वास अनवृत जारी रखेगा। पत्रकारिता के सिद्धान्तों पर चलने के लिए हम दृढ़ सकल्पित हैं।

-धन्यवाद

शाबाश इंडिया का 'विशेषांक' प्राप्त करने के लिए संपर्क करें।

दिगंबर जैन परवार समाज इंदौर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों का शपथ विधि समारोह संपन्न

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। श्री चन्द्रप्रभु दि० जैन परवार समाज धा० एवं पा० ट्रस्ट इन्दौर के नवनिर्वाचित निर्विरोध अध्यक्ष राजेश जैन लारेल की नई कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों का शपथ विधि समारोह रविन्द्र नाट्य ग्रह मे गरिमामय भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पधारे ध्वजारोहण कर्ता, राजीव जैन बंटी भैया , कार्यक्रम की मुख्यअतिथी श्रीमती पुष्पा प्रदीप कासलीवाल, दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका परवार समाज महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन एवं बरिष्ठ समाज सेवी सुखदयालजी डेवडिया और सैकड़ों समाजजनो की उपस्थिति मे नई कार्यकारीणी को शपथ विधि अधिकारी सुशील पांडया ने कर्तव्य निर्वहन की शपथ दिलाते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश लारेल के सानिध्य में समाज को नई ऊचाइयों तक ले जाने का संकल्प भी दिलाया।

नवीन मुख्य द्वार, भोजनशाला व नव देवता निलय का लोकार्पण समारोह आज

तपोस्थली बोलखेड़ा पर आचार्य वसुनंदी महाराज के सानिध्य में होंगे कार्यक्रम

कामां. शाबाश इंडिया। दो वर्ष पश्चात कामा तहसील के गांव बोलखेड़ा में स्थित जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बू स्वामी की तपोस्थली पर दिगंबर जैन आचार्य वसुनंदी महामुनि राज ससंघ का मंगल प्रवेश बुधवार 26 अप्रैल को प्रातः होगा। तो वही लोकार्पण समारोह का भी आयोजन होगा। तपोस्थली के प्रचार-प्रसार प्रभारी संजय जैन बड़जात्या के अनुसार जम्बू स्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा पर निर्मित नवीन मुख्य द्वार, अन्नामृत प्रासाद (भोजनशाला) एवं नव देवता निलय का लोकार्पण समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः शनि ग्रह निवारक भगवान मुनिसुव्रतनाथ के मस्तकाभिषेक से होगा तो वही तपोस्थली की प्रबंध कारिणी समिति द्वारा आचार्य संघ की आगवानी कर क्षेत्र पर प्रवेश कराया जाएगा। तपोस्थली की के महामंत्री अरुण जैन बंटी के अनुसार रात्रि बरौली धाऊ गांव में विश्राम कर अलसुबह पद विहार करते हुए आचार्य संघ का चौदह साधु एवं साथियों सहित तपोस्थली बोलखेड़ा पर प्रवेश होगा। मुख्य मंदिर शांतिनाथ जिनालय में विधान का आयोजन किया जाएगा तो नव देवता निलय मे ग्यारह बजे से मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में फिरोजाबाद, दिल्ली, मेरठ,ग्वालियर, फरीदाबाद, जयपुर, अजमेर व अन्य स्थानों से बड़ी संख्या में जैन श्रावको के भाग लेने की संभावना है। ज्ञात रहे कि बोलखेड़ा में आचार्य संघ के चार वर्षायोग हो चुके हैं और अनवरत उनके निर्देशन में विकास के कार्य किये जा रहे हैं।

जैन सोशल ग्रुप डायमंड का थीम बेस रंगारंग कार्यक्रम 'एंजेल एंड डेमन्स' होटल हयात पैलेस में संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने बहुत आनंद किया जिसमे थीम बेस म्यूजिकल गेम्स ओर डांस का कार्यक्रम हुआ। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थन रीजन के चेयरमैन महेंद्र सिंघवी और सचिव सिद्धार्थ जैन ने नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। अध्यक्ष के रूप में प्रदीप- शालू दीवान, सचिव संदीप- श्वेता, उपाध्यक्ष पद पर जितेश- निर्मल जैन संयुक्त सचिव पद पर मनीष- खुशबू कोषाध्यक्ष पद पर मनीष -शिल्पा को शपथ दिलाई ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष पीयूष -ऋतु जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। ग्रुप के सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और खूब एंजॉय किया। अंत में सभी सदस्यों को शानदार गिफ्ट दी गई।

नवकार ग्रुप द्वारा 15 से 24 अप्रैल तक वियतनाम यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा15 से 24 अप्रैल तक वियतनाम यात्रा का आयोजन किया। ग्रुप अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि यात्रा में HANOI सिटी में वाटर पप्पेट शो,सिटी टूर, HA LONG BAY मे क्रूज पर दो रात रहे, वहां पर पियूष एवं श्रीमती विनय लता की वैवाहिक वर्षगांठ मनाई गई। DA NANG CITY में तीन राते गुजारी गई जहां पर मार्बल माउंटेन,गोल्डन ब्रिज, पगोड़ा के दार्शनिक स्थान देखे गए एवं rope cable से इन सभी स्थानों तक पहुंचाया गया।HO CHI MINH CITY दिनांक: 23 अप्रैल को सिटी टूर किया गया जहां सभी सदस्यों द्वारा जमकर खरीददारी की गई।हमारा उपरोक्त टूर ITS GLOBLE Company के माध्यम से किया गया, कम्पनी द्वारा दो टूर मैनेजर महेन्द्र पूरी गोस्वामी एवं कुतार्थ महेश दवे नियुक्त किए गए। इन दोनो के द्वारा आयोजित कार्यक्रम बहुत ही संतोषप्रद रहा हम सबका पूरा ध्यान रक्खा गया । इनके प्रयास को देखते हुऐ हमारे द्वारा इन दोनो सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। ग्रुप सदस्यों में डॉ.सुनील कुमार जैन, डॉ. रश्मि जैन,सुरेन्द्र कुमार जैन,श्रीमती कौशल्या जैन एवं सभी सदस्यों द्वारा यात्रा में भरपूर सहयोग प्रदान किया गया।अध्यक्ष गंगवाल द्वारा आगामी यात्रा अमर कंटक एवं दुबई की जानकारी दी गई।सभी सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

शाबाश इंडिया

शतरंज में वजीर और जिंन्दगी में जमीर ... अगर मर जाये तो समझिये खेल खत्म..! इस धरती पर परमात्मा की सबसे सुन्दर कृति मनुष्य है। इस सृष्टि का मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। मनुष्य अपने जीवन को सजाने, संवारने और बनाने के लिये रोज नये-नये प्रयोग और नवाचार करता रहता है। मनुष्य अपने संसार की उधेड़ बुन में 23 घंटे लगाये कोई परेशानी नहीं, लेकिन 1 घंटा आध्यात्मिक जीवन को संवारने सजाने में निकालना चाहिए। आध्यात्मिक विकास से ही हम अपने जीवन की आलौकिक शक्तियों को जान पहचान सकते हैं। आत्मा की शक्ति अनंत है, जिसे तलवार काट नहीं सकती, अग्नि जला नहीं सकती, धूप सूखा नहीं सकती, हवा उड़ा नहीं सकती। आत्मा अजर अमर अविनाशी है। आचार्यों ने कहा है- नमे मृत्यु कुटुर भीतिर ।जब आत्मा मरती ही नहीं है तो फिर तुम डरते क्यों हो मौत से...? हमारा स्वार्थ, मोह और लोभ हमें मौत से डराता है। जैसे दो नंबर का काम करने वाले व्यापारी इनकम टैक्स, सेल्स टैक्स अफसर से डरते हैं। उसी प्रकार जिनके जीवन का हिसाब किताब गड़बड़ होता है, वो मौत और परमात्मा से डरते हैं। हमारी आत्मा ने कभी भी पाप कार्य को पुण्य कर्म नहीं कहा। गलत कार्य को सही नहीं कहा। ये अलग बात है- हम अपने लोभ और स्वार्थ के कारण चेतना की अवाज को अनसुना कर दें, लेकिन भीतर से जो आवाज आती है वो एकदम सही आती है। जो लोग चेतना की आवाज को सुनते हैं, चिन्तन करते हैं, दृढ़तापूर्वक अपने कार्य और कर्तव्य के प्रति अग्रसर हो जाते हैं, वे अपने अतीत को भूलकर आगे बढ़ने लगते हैं और अपने जीवन के उद्देश्य को प्राप्त कर लेते हैं.. ।**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com